8. फीचर लेखन

प्रश्न 1. फीचर लेखन से क्या समझते हैं ?

उत्तर- फीचर लेखन हिंदी पत्रकारिता का एक महत्वपूर्ण विधा है। समाचार पत्र की भांति फीचर भी मानव जीवन को प्रभावित करने वाली गतिविधि है। फीचर मनोरंजक ढंग से लिखा नवीन लेख है, जो स्वतंत्रता के बाद विकसित हुआ है। फीचर एक सुव्यवस्थित, सृजनात्मक और आत्मनिष्ठ लेखन है जिसका उद्देश्य पाठकों को सूचना देना, शिक्षित करने के साथ-साथ मुख्य रूप से उनका मनोरंजन करना होता है।

फीचर पाठक की चेतना को ही नहीं जगाता बल्कि उनकी भावनाओं और संवेदनाओं को जागृत करता है। इसमें लेखक पाठक को अपने अनुभव से समाज का परिचय कराता है। यह सूचनाओं को संप्रेषित करने का साहित्यिक रूप है।

प्रश्न 2. फीचर लेखन की शैली कैसी होती है ?

उत्तर- फीचर लेखन का कोई एक ढाँचा या फार्मूला नहीं होता है। फीचर लेखन की शैली काफी हद तक कथ्यात्मक शैली की तरह है। फीचर लेखन की भाषा समाचारों के विपरीत सरल, रूपात्मक, आकर्षक और मन को छूने वाली होती है। फीचर की भाषा में समाचारों की सपाटबयानी नहीं चलती है। फीचर आमतौर पर समाचार रिपोर्ट से बड़े होते हैं । अखबारों और पत्रिकाओं में 250 शब्दों से लेकर 2000 शब्दों तक के फीचर छपते हैं।

फीचर एक ट्रीटमेंट है ।विषय या मुद्दे की जरूरत के अनुसार लिखा जाता है ।कुछ हल्के-फुल्के समाचार भी फीचर शैली में लिखा जा सकता है।

प्रश्न 3. फीचर के प्रकारों की चर्चा कीजिए।

फीचर के प्रकार

(1) व्यक्तिगत फीचर
(2) समाचार परक फीचर
(3) ऐतिहासिक फीचर
(4) विज्ञान परक फीचर
(5) खेलकूद परक फीचर
(6) सांस्कृतिक फीचर
(7) हास्य व्यंग्यपरक फीचर
(8) व्याख्यान फीचर

प्रश्न 4. एक अच्छे फीचर की विशेषताएँ बताईए ।

एक अच्छे फीचर लेखन की विशेषताएं

(1) मनोरंजक होना चाहिए
(2) ज्ञानवर्धक होना चाहिए
(3) भावात्मक हो
(4) मानवीय रूचि पर आधारित होना चाहिए
(5) तर्कसंगत होना चाहिए

बहुविकल्पीय प्रश्न

(1) सुव्यवस्थित, सृजनात्मक और आत्म निष्ठ लेखन को क्या कहा जाता है?

1 फीचर 2 आलेख
3 विशेष रिपोर्ट 4 इंट्रो(मुखड़ा)

(2) निम्नलिखित में से फीचर का क्या उद्देश्य होता है?

1 पाठकों को सूचना देना
2 पाठकों को शिक्षित करना
3 पाठकों का मनोरंजन करना
4 उपर्युक्त सभी

(3) फीचर लेखन के संबंध में निम्नलिखित में से असत्य कथन का चयन कीजिए?

1 फीचर आमतौर पर तथ्यों, सूचनाओं और विचारों पर आधारित तथ्यात्मक विवरण का विश्लेषण होता है।
2 फीचर में लेखक के पास अपना दृष्टिकोण, राय व भावनाएं जाहिर करने का अवसर होता है।
3 फीचर आत्मनिष्ठ लेखन है।
4 फीचर को अखबार की आवाज माना जाता है।

(4) फीचर लिखते समय किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है?

1 विषय से जुड़े पात्रों की मौजूदगी होना जरूरी है ।
2 फीचर मनोरंजन के साथ सूचनात्मक हो।
3 फीचर का प्रारंभ विरोधाभास हो।
4 1 और 2 दोनों

(5) फीचर लेखन का प्रथम चरण है-

1 शीर्षक 2 भूमिका
3 विषय का विस्तार 4 निष्कर्ष

(6) फीचर शब्द का अर्थ है-

1 चित्र 2 रेखा चित्र
3 रूपरेखा 4 संस्मरण

(7) फीचर में तथ्यों की प्रस्तुति का ढंग कैसा होता है?

1 निरस 2 मनोरंजक
3 व्यापक 4 संकुचित

(8) फीचर किस प्रकार की विधा मानी जाती है?

1 विषय प्रधान 2 समस्या प्रधान

3 व्यक्ति प्रधान 4 पत्र प्रधान

(9) फीचर लेखन के लिए किसकी आवश्यकता होती है?

1 कल्पना शक्ति की 2 अनुभूति की

3 अवलोकन की 4 इनमें से सभी

(10) निम्नलिखित में से कौन फीचर लेखन का तत्व है?

1 अलंकार 2 छंद

3 कल्पना 4 बिंब

बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर

1 - 1, 2 - 4 3 - 3, 4 - 4, 5 - 1,

6 -3, 7 - 2, 8 - 1, 9 - 4, 10 - 3